विद्याभवन बालिका विद्यापीठ लखीसराय

कक्षा – षष्ठ **दिनांक -04-01-2021**

विषय -हिन्दी (व्याकरण) **विषय शिक्षक -पंकज कुमार**

एन, सी, ई, आरटी, पर आधारित

सुप्रभात बच्चों आप सभी को हार्दिक शुभकामनाएँ नववर्ष की।

सर्वनाम के भेद

सर्वनाम के छः भेद होते हैं-

- पुरुषवाचक सर्वनाम, जैसे- मैं, हम, तुम, वह आदि।
- निश्चयवाचक सर्वनाम, जैसे- यह, ये, वह, वे आदि।
- अनिश्चयवाचक सर्वनाम, जैसे- कोई, कुछ आदि।
- संबंधवाचक सर्वनाम, जैसे- जो-सो जैसा-वैसा आदि।
- प्रश्नवाचक सर्वनाम, जैसे- क्या, कौन आदि।
- निजवाचक सर्वनाम, जैसे- अपने आप, स्वयं, स्वतः, खुद, आप ही आप आदि।

३. क्रिया-जिस शब्द से किसी काम का करना या होना पाया जाए, उसे 'क्रिया' कहते हैं, जैसे- दौड़ना, पढ़ना, खेलना, लिखना, खाना आदि।
जैसे-सीता खेलती है। राम पढ़ता है। ऊपर के वाक्य में 'खेलना' और 'पढ़ना' क्रियाएँ हैं। अन्य उदाहरण- चलना, जाना, गाना, इत्यादि।

क्रिया के भेद
(i) सकर्मक क्रिया, जैसे-खाना, पीना, पहनना इत्यादि।
(ii) अकर्मक क्रिया, जैसे-रोना हँसना, दौड़ना आदि।

४. विशेषण-जो शब्द किसी संज्ञा अथवा सर्वनाम की विशेषता बताए, उसे विशेषण कहते . हैं; जैसे- काला, अच्छा, मोटा, सुंदर आदि।

विशेषण के भेद

- गुणवाचक विशेषण, जैसे-अच्छा, बुरा, काला, मोटा, पीला आदि।
- परिमाणवाचक विशेषण, जैसे-किलोग्राम, मीटर, लीटर आदि।
- संख्यावाचक विशेषण, जैसे-एक, दो, दस, सौ, हजार आदि।
- सार्वनामिक विशेषण, जैसे-वह, यह, ऐसा, वैसा, तुम्हारा, मेरा आदि।

क्रिया-विशेषण-क्रिया-विशेषण उन शब्दों को कहते हैं, जो क्रियाओं की विशेषताएँ प्रकट करते हैं; जैसे-साइकिल तेज दौड़ती है। गौरव अच्छा लिखता है। यहाँ 'तेज' और 'अच्छा' क्रिया-विशेषण हैं।